an>

title: Need to set up a Sainik School at Jablapur, Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) ः भारत वर्ष में सभी प्रदेशों में सैनिक स्कूल स्थापित करने की अवधारणा वर्ष 1961 में स्थापित की गयी थी। वर्तमान में रक्षा मंत्रालय के अधीनस्थ विभिन्न प्रदेशों में कुल 25 सैनिक स्कूल चल रहे हैं तथा संबलपुर, उड़ीसा एवं अलवर, राजस्थान में दो अतिरिक्त सैनिक स्कूलों की स्थापना प्रस्तावित है। इस प्रकार बिहार, कर्नाटक, हरियाणा, आंध्रप्रदेश तथा प्रस्तावित स्कूलों के अनुसार उड़ीसा एवं राजस्थान जैसे प्रदेशों में दो-दो सैनिक स्कूल हैं।

मैं विशेषकर मध्य प्रदेश का जिक्र करना चाहूंगा, जहां वर्तमान में केवल एक सैनिक स्कूल है, जोकि रीवा में स्थित है। सामरिक महत्व के दृष्टिकोण से म.प्र. स्थित जबलपुर इस वक्त एक प्रमुख स्थान है। यहां मध्य भारत एरिया का मुख्यालय, थल सेना की तीन महत्वपूर्ण इकाईयां, सिग्नल कोर, जे.एण्ड के. रायफल्स एवं ब्रेनेडियर्स सेंटर के प्रशिक्षण केन्द्र स्थित हैं। आर्मी ऑर्डिनेंस कोर का स्कूल भी यहां पर स्थित है। सुरक्षा संस्थानों के रूप में रक्षा मंत्रालय के अधीन गन कैरिज फैक्ट्री, वाहन निर्माणी जबलपुर, आयुध निर्माण खमरिया, ग्रे आयरन फाउण्ड्री, सेंट्रल ऑर्डिनेंस डिपो, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप, कंट्रोलर ऑफ डिफेन्स एकाउन्ट के विभिन्न कार्यालय, डी.पी.क्यू.ए., मिलिट्री अस्पताल, मिलिट्री डेयरीफार्म, एम.ई.एस. सहित लगभग 105 केन्द्रीय कार्यालय/संस्थान विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में बैंक तथा एल.आई.सी. जैसी संस्थाओं एवं उनके रीजनल मुख्यालय भी जबलपुर में हैं।

इस प्रकार जबलपुर (म.प्र.) में सैनिक तथा असैनिक संस्थापनाओं एवं कार्यालयों की संख्या तथा उनमें कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या लगभग एक लाख से ऊपर है।

इसके अतिरिक्त इटारसी, कटनी, ग्वालियर, भोपाल, मऊ जैसे अनेक स्थान हैं जहां पर सैनिक कार्यालय/ संस्थान उपलब्ध हैं।

वर्तमान में मध्य प्रदेश में केवल एक सैनिक स्कूल है, जो कि रीवा (म.प्र.) में स्थित है। अतः सैनिक स्कूल की मूल अवधारणा के अनुरूप जबलपुर में मध्य प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल खोलना उपयुक्त होगा। इससे नवयुवकों को अच्छी शिक्षा प्राप्त होगी साथ ही साथ, शक्तिशाली राष्ट्र की स्थापना के लिए प्रतिभावान नवयुवक तैयार हो सकेंगे।